वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम.ए.पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-04

काव्यशास्त्र एवं समालोचना

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

नोट : इस खण्ड में 8 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है। 8×2 = 16

प्रश्न 1 काव्य और साहित्य में भेद बताइए।

प्रश्न 2 'वक्रोक्ति जीवितम्' के रचियता का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 3 प्रबन्धकाव्य के दो प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 4 'गीतिकाव्य' को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 5 मनोविश्लेषवादी चिंतनधारा के जनक का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 6 आधुनिक युग में 'अलंकार का महत्व' संक्षेप में बताइए।

प्रश्न 7 आचार्य भट्टनायक ने किस सिद्धान्त की उदभावना कर काव्यास्वाद की समस्या का समाधान किया ?

प्रश्न 8 अभिव्यंजनावाद से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 9 काव्य किसे कहते है ? एक विद्वान की परिभाषा बताइए।

प्रश्न 10 काव्य का विशिष्ट गुण 'प्रतिभा' को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 11 'काव्यप्रकाश' के रचयिता का नाम बताइए।

प्रश्न 12 मुक्तक रचना में अपेक्षित गुणों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विद्वान 'अरस्तू' के सर्वाधिक चर्चित सिद्धान्त का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 14 'ध्वनि सिद्धान्त' के प्रवर्तक का नाम बताइए।

प्रश्न 15 'भरतमुनि' के रससूत्र की परिभाषा बताइए।

प्रश्न 16 'निर्वेयकितकता के सिद्धान्त' का प्रतिपादन किसने किया था ?

प्रश्न 17 आचार्य कुन्तक कवि कर्म कौशल में किस आवश्यक तत्व का उल्लेख किया ?

प्रश्न 18 प्रबन्धकाव्य में प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 19 भावयित्री प्रतिभा किसे कहते है ?

प्रश्न 20 रीतिसम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य का नाम बताइए ?

प्रश्न 21 'अलंकार'शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 22 पाश्चात्य विचारक टी.एस. इलियट के दो प्रमुख सिधान्तों के नाम बताइए।

प्रश्न 23 एडलर का सिद्धान्त किस नाम से पहचाना जाता है ?

प्रश्न 24 उत्तर आधुनिकता को चित्रित करने वाली किन्हीं दो साहित्यिक कृतियों को बताइए।

प्रश्न 25 गीतिकाव्य के आवश्यक तत्वों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 26 मम्मट के काव्यप्रयोजन का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 27 रस निष्पति के सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 28 'त्रासदी सिद्धांत' की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 29 इलियट के "परम्परा और वैयकितक प्रज्ञा" सम्बन्धी विचारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 30 रिचर्डस के दो सिद्धांतों का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 31 'असितत्ववाद' के दो मूल तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 32 पाठालोचन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तत्त्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 33 साहित्य को अपने शब्दों में परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 34 किन्हीं दो खण्डकाव्यों के नाम लिखिए।

प्रश्न 35 काव्य हेतु किसे कहते है ?

प्रश्न 36 आचार्य विश्वनाथ के सुप्रसिद्ध ग्रंथ का नाम बताइए।

प्रश्न 37 विभाव के दो भेद बताइए।

प्रश्न 38 रीति को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 39 क्रोचे के सुप्रसिद्ध सिद्धांत का नाम बताइए।

प्रश्न 40 हिन्दी में आधुनिकतावाद का प्रारम्भ कहाँ से माना जाता है ?

प्रश्न 41 काव्य के संदर्भ में 'मम्मट' की परिभाषा को विवेचित कीजिए।

प्रश्न 42 महाकाव्य के प्रमुख दो तत्वों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 43 मुक्तक रचना में अपेक्षित दो गुणों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 44 प्रतिभा के दो प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 45 नवअभिजात्यवादी विचारधारा के दो विचारकों के नाम बताइए।

प्रश्न 46 औचित्य सिद्धांत के प्रवर्तक का नाम बताइए।

प्रश्न 47 साहित्य में वर्णित स्थायी भावों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 48 इलियट का वस्तुनिष्ठ समीकरण का सिद्धांत किस मूलभाव के लिए हुए है?

प्रश्न 49 पाश्चात्य मनीषियों की दृष्टि में महाकाव्य के भेदों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 50 गीतिकाव्य के दो प्रमुख तत्वों का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 51 आत्माभिव्यक्ति के सिद्धांत की परिभाषा बताइए।

प्रश्न 52 भरतमुनि के रस निष्पत्ति के सूत्र को बताइए।

प्रश्न 53 अलंकारों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 54 अरस्तू के सिद्धांतों (आलोचना) को बताइए।

प्रश्न 55 अभिव्यंजनावाद की दो अवस्थाएँ बताइए।

प्रश्न 56 रिचर्डस के आलोचना विषयक के दो भेद बताइए।

प्रश्न 57 काव्य का क्षेत्र विस्तार क्या हो सकता है ?

प्रश्न 58 काव्य के भेदों के नाम बताइए।

प्रश्न 59 महाकाव्य के चार लक्षणो का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 60 हिन्दी में मुक्तक काव्य रचनाकारों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 61 'नवगीत' क्या है ?

प्रश्न 62 पश्चिमी में प्रचलित काव्य प्रेरणा विषयक विचारोंको बताइए।

प्रश्न 63 लोंजाइनस की सुप्रसिद्ध कृति का नाम बताइए।

प्रश्न 64 काव्यशास्त्र की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 65 रीति सम्प्रदाय में वर्णित 'रीतियों' के नाम बताइए।

प्रश्न 66 भारतीय काव्यशास्त्र के चार सम्प्रदायों का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 67 साहित्य के अध्ययन में काव्यशास्त्र का महत्व बताइए।

प्रश्न 68 'वक्रोक्ति सिद्धांत' का सुप्रसिद्ध वाक्य लिखिए।

प्रश्न 69 स्थायी भाव की किन्ही दो स्वरूपगत विशेषता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 70 रस ध्वनि को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 71 प्लेटो के काव्य आक्षेप बताइए।

प्रश्न 72 अभिव्यंजनावाद से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर तालिका खण्ड 'अ'

1 काव्य कवि के निजी कर्म की अभिव्यकित है जबकि साहित्य शब्द काव्य के शब्द अर्थ का परस्पर सामंजस्य है।

2 कुंतक

3 1 महाकाव्य 2 खण्डकाव्य

4 कवि जब गहन अनुभूति में डूब जाता है तब गीत का जन्म होता है।

5 सिग्मण्ड फ्रायड

6 (1) भावों का उत्कर्षदिखाने हेतु-
(2) भाषा की पुषिट के लिए आवश्यक उपादान।

7 साधारणीकरण सिद्धान्त

8 जब भी अन्तप्रज्ञा स्फुरित होती है तो वह अभिव्यंजना के: द्वारा कला में परिणत हो जाती है। यह पूरी प्रक्रिया आंतरिक होती है।

9 "कवेकर्म कावयम :" - विधाधर
कवयतीति कविकाव्यम। तस्य कर्म :"

10 'वस्तु के नयेनये उन्मेष की शकित रखने वाली प्रज्ञा प्रतिभा कहलाती है।-'

11 मम्मट

12 1 संक्षिप्तता 2 स्वतन्त्रतता 3 भाषाभिव्यंजना 4 चमत्कार 5 अभिव्यंजना कौशल।

13 अनुकरण सिद्धान्त

14 आचार्य आनन्दवर्धन

15 'विभावानुभावत्यभिचारिसंयोगात रस निष्पतित:' इति।

16 पाश्चात्य विचारक व समीक्षक टीइलियट। .एस.

17 कौशल जन्य वैदग्ध्य व्यापार को प्रधानता।

18 (1) महाकाव्य (2) खण्डकाव्य

19 भावक को काव्यास्वादन में समर्थ बनाने वाली प्रतिभा

20 वामन

21 वह साधन जिसके द्वारा शोभा में वृद्धि हो।

22 (1) परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा
(2) निर्वेयकितकता का सिद्धांत
(3) वस्तुनिष्ठ समीकरण
(4) संवेदनशीलता का असाहचर्य
(5) अभिजात्यवाद

23 वैयक्तिक मनोविज्ञान

24 (1) प्रेमचंद गोदान -
(2) श्रीलाल शुक्ल की 'रागदरबारी'
(3) मनोहर श्याम जोशी 'क्याप'
(4) विनोद कुमार शुक्ल 'दीवार में खिड़की रहती थी'

25 (1) वैयक्तिकता (2) भावावेग तथा रागात्मकता (3) सुसम्बद्धता व उनिवति
(4) प्रवाह (5) संगीतात्मकता (6) लयबद्धता ध्वन्यात्मकता

26 (1) यश (2) अर्थ (3) व्यावहारिक ज्ञान (4) शिवतरक्षतये
(5) सघ: परनिर्वत्ति (6) कान्ता सम्भित सभिमत योपदेश

27 (1) भहलोल्लट का उत्पत्तिवाद
(2) शंकुक का अनुमितिवाद
(3) भहनायक का मुक्तिवाद
(4) अभिनवगुप्त का अभिव्यकितवाद

28 (1) कार्य की अनुकृति
(2) कार्य गंभीर व स्वत:पूर्ण
(3) समाख्यानात्मक रूप में नहीं कार्य व्यापार के रूप में प्रस्तुत
(4) करूणा और त्रास का उद्वेक

29 (1) परम्परा और वैयकितक प्रज्ञा का विरोध नहीं
(2) परम्परा अंधानुकरण नहीं
(3) इसका विस्तार देश और काल में भी।

30 (1) मूल्य सिद्धांत
(2) सम्प्रेषण सिद्धांत

31 (1) चिन्ता (2) मृत्यु और अस्तित्व हीनता (3) स्वयं (4) कार्यक्षमता

32 (1) पाठा (2) मूल पाठ (3) प्रति (4) मूल प्रति (5) प्रतिलिपित प्रति
(6) आदर्श प्रति (7) पत्र (8) पुषिपका पुष्पिता

33 शब्द और अर्थ का यथावत साथ-साथ होने के व्यक्ति का हितमात्र व कल्याण करने वाला।

34 (1) क्षेत्र (2) जयद्रध वध (3) पंचवटी
(4) रशिमरथी (5) सुदामा चरित

35 काव्य-शिक्षा के अन्तर्गत कवि में काव्य निर्माण की सामर्थ्य उत्पन्न करने वाले साधनों को काव्य हेतु कहा जाता हैं

36 'साहित्य दर्पण'

37 (1) आलम्बन (2) उद्दीपन

38 'विशिष्ट पदरचना की रीति है।'

39 अभिव्यंजनावाद

40 प्रयोगवाद से।

41 "तददोर्षौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृतिः पुनः कदापि।

42 (1) इतिवृत्त (2) वस्तु व्यापार वर्णन (3) भावव्यंजना
(4) संवाद (5) भाषाशैली- (6) उद्देश्य

43 (1) संक्षिप्तता (2) स्वतन्त्रता (3) भाषाभिव्यंजना कौशल
(4) चमत्कार (5) अभिव्यंजना कौशल

44 (1) कारयित्री काव्य निर्माण में सहायक -
(2) भावयित्री भावक के रसास्वादन में समर्थ बनाने वाली। -

45 जान ड्राइडन, जोसेफ एडिसन, अलेक्जेंडर पोप, जौनसन आदि।

46 आचार्य क्षेमेन्द्र
आक्षेमेन्द्र .

47 रति, हास, उत्साह, अमर्ष, भय, विस्मय, शोक, जुगुप्ता, निर्वेद, वात्सल्य।

48 काव्य में भाव की अभिव्यकित पर प्रकाश डालता है।

49 (1) विकसनशील महाकाव्य
(2) कलात्मक

50 (1) वैयक्तिकता (2) भावुकता (3) संक्षिप्तता (4) सहजता व सरलता
(5) गेयता (6) सम्प्रेषणीयता

51 "कविता शक्तिशाली भावों का सहज उच्छलन है। इसका उदभव प्रशान्त क्षणों में भावों के पुनःस्मरण से होता है, लिरिकल बैलेडस की भूमिका में विलियम वर्डसवर्थ का कथन है।

52 "विभावानुभावात्य भिचारी संयोगाद्रस रसनिष्पत्ति।" भरतमुनि

53 (1) शब्दालंकार)2) अर्थालंकार)3) उमयालंकार

54 (1) अनुकरण)2) त्रासदी)3) विरेचन

55 (1) प्रभाव ग्रहण करने की दशा
(2) आंतरिक कलात्मक सामंजस्य
(3) कलाजन्य आनन्द
(4) अभिव्यकित

56 (1) आलोचनात्मक
(2) प्राविधिक

57 काव्य के क्षेत्र विस्तार में विज्ञान, इतिहास, दर्शन, इतिवृत आता है।

58 (1) दृश्य (2) श्रव्य

59 (1) सर्गबद्ध (2) कथानक इतिहासः पुराण प्रसिद्ध
(3) छंद प्रयोग (4) नमस्कार स्तुति
(5) आशीर्वचन (6) वर्ण्य विषय का निर्देश

60 कबीर, दादू, सुंदरदास, मीरा, रहीम, बिहारी, मतिराम, देव, पदमाकर, घनानंद इत्यादि।

61 'नवगीत' हिन्दी में गीतिकाव्य का ही एक रूप है। जब-जब भी नवीन भावबोध व नव शैली - शिल्प के साथ गीत प्रस्तुत होगा नवगीत कहलाएगा।

62 (1) काव्य प्रेरणा रचनाकार को बाहर से प्राप्त होती है।

(2) काव्य प्रेरणा रचनाकार को स्वयं अपने भीतर से मिलती है।

63 'पेरइिप्सुस'

64 साहित्य का व्याकरण है। शोधकार्य के आधारभूत तत्व विश्लेषण संश्लेषण का कार्य इसी के द्वारा होता हैं।

65 वैदर्मी, गौड़ी, पांचाली

66 रस, अलंकार, ध्वनि, वक्रोकित, औचित्य, रीति।

67 काव्यशास्त्र साहित्य का व्याकरण है। वह कवि द्वारा रचित कृति का सम्यक अध्ययन कर उसके भावों, विचारों, उद्दश्यों आदि का उदघाटन करता है।

68 "वक्रोकितकाव्य जीवितम :"

69 (1) जो अन्ततःरसत्व को प्राप्त करते है। :
(2) जो स्थायी रूप् से या चिरकाल तक चित्त में रहते हैं
(3) जिनकी स्थिति काव्य में आधन्त बनी रहती हैं
(4) जिन्हें कोई विरूद्ध या समान भाव दबा न सके।
(5) जो अनादि वासना या संस्कार रूप में सहृदय के चित में सदैव विधमान रहते है।

70 "शब्द की अतिरिक्त कल्पना जगाने वाली शक्ति को ध्वनिकार ने व्यंजना और रस के संवेध रूप् को रस ध्वनि कहा है।"

71 (1) मूल सत्य एक है; अखण्ड है एवं उसका कर्ता है
(2) यह वस्तुजगत उस परम सत्य का अंश नहीं अनुकरण है
(3) कलाकार इस अनुकरण का भी अनुकर्ता है अतः सत्य से तिगुना दूर हैं
(4) अन्ततः सभी कलाकारों की भांति त्रासदीकर भी अनुकर्ता सत्य से तिगुना दूर हैं।

72 क्रोचे का अभिव्यंजना मानसिक अभिव्यकित है। वह कला के नैतिक अनैतिक प्रभावों को स्वीकार करता है।